

शाह टाइम्स



दिल्ली का ताज

मंगलवार, 18 फरवरी 2025



दिल्ली प्रदेश के मुख्यमंत्रियों की सूची

चौधरी ब्रह्म प्रकाश 17 मार्च 1952 से 12 फरवरी 1955 तक दो दिल्ली के पहले सीएम रहे हैं।

गुरुमुख निहाल सिंह 12 फरवरी 1955 से 1 नवम्बर 1956 तक दिल्ली के दूसरे सीएम बने थे।

मदन लाल खुराना 2 दिसम्बर 1993-26 फरवरी 1996 तक दिल्ली की तीसरे सीएम के रूप में कमान संभाली।

साहिब सिंह वर्मा 26 फरवरी 1996-12 अक्टूबर 1998 तक सीएम रहे हैं।

सुषमा स्वराज 12 अक्टूबर 1998-3 दिसम्बर 1998 तक दिल्ली की 5वीं सीएम रही थी।

शीला दीक्षित ने 3 दिसम्बर 1998 से 28 दिसम्बर 2013 तक दिल्ली की सीएम की कमान संभाली।

अरविंद केजरीवाल 28 दिसम्बर 2013-14 फरवरी 2014 तक तीन बार दिल्ली के सीएम रहे।

15 फरवरी 2014 - 13 फरवरी 2015 तक दिल्ली में राष्ट्रपति शासन रहा।

आतिशी मार्लोना 21 सितम्बर 2024-वर्तमान तक दिल्ली की सीएम हैं।

सीएन के नामों पर संघ से नहीं निली हरी झंडी!

बीजेपी दे सकती है दिल्ली में सरप्राइज़, पहले भी बदले हैं कई सीएम के चेहरे

नई दिल्ली। दिल्ली की कमान

होगी किसके हाथ यह इस बत्त का समसे बड़ा सबाल है। समवार को विधायक दल की बैठक तय हुई थी, जिसमें यह कहा जा रहा था कि दिल्ली के आला मुख्यमंत्री का ऐसा संघरण यह कहा जा रहा था कि समवार को उन्हें दिल्ली में ही रहना है। लेकिन यह बैठक फिर से टल गई है। ऐसे में कई भी खबरें आईं कि विधायक दल की बैठक के बाद मंगलवार को शपथ ग्रहण समारोह भी ही सकता है।

क्या संघ से नहीं निली है मंजूरी

इस समय अपर बीजेपी के पास समसे बड़े फैक्टर हैं तो वो है कि बिना आरएसएस की बैठक भेज नेता का ऐसा नहीं हो सकता है। ऐसे में सूत्रों की मानें, तो कहा जा रहा है कि संघ दिल्ली की कमान उस नेता को देना चाहता है जो संघ का गोपी भी हो और बहुमत्वाक्षर का बैठक भेज कर संघ के मंत्रों में भी वो संभव हो आर ऐसा होता है, तो दिल्ली में नुपुर शर्मा के नाम पर मुहर लग सकती है।

आज होगी भी बैठक

इस बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षकों

को मौजूदगी में विधायक दल के नेता का चयन किया जाएगा और उसके बाद ऐसी के पास जाकर सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा।

यार्टी के विधायकों को भी यह संघरण देविया गया था कि समवार को उन्हें दिल्ली में ही रहना है। ऐसे में कई भी खबरें आईं कि विधायक दल की बैठक के बाद मंगलवार को शपथ

ग्रहण समारोह भी ही हो सकता है।

19 को होगी अब बैठक

पार्टी के कुछ विरुद्ध नेताओं ने

इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि बैठक को अधीर स्थगित कर दिया

गया है।

अब 20 तारीख को या उसके

बाद बैठक बुलाई जाएगी। कारण यह

बताया गया कि 19 तारीख को दिल्ली

सरकार, केंद्रीय रेल मंत्री और रेलवे

संघ के मुख्यमंत्री का उदायान होता

है, पार्टी के भी कई विरुद्ध नेता

मुक्तकों के प्रति संवेदन प्रकट करते

हुए बीजेपी ने रिवरात को अपने सभी

कार्यक्रम स्थगित कर दिए थे।



बीजेपी आवासीन से बदल देती है सीएम

हालांकि, विधायक दल की बैठक को दालने के पीछे एक बड़ा

कारण नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर

शनिवार रात हुए हादसे को भी माना जा रहा है, जिसमें 18 लोगों को मौत हो गई थी। हादसे के बाद से ही केंद्र

उत्तराखण्ड और गुजरात में दो-दो बार

मुख्यमंत्री बदलना शामिल है। सीएम

बदलने के इस बड़े काम को संभालना

प्रधानमंत्री ने दो मंत्री की राज्यों और

बीजेपी के कार्यकर्ताओं में व्यापक

अपील का स्पष्ट प्रतिविवेदन।

लो प्रोफाइल वाले नए घेहरों की नियुक्ति

नई दिल्ली। तथ्य यह है कि बीजेपी

ने 2014 के बाद 12 मंत्रीकों पर काफी लो प्रोफाइल वाले नए चेहरे नेताओं को केंद्र का हिस्सा बना दिया गया। असम के पूर्व सीएम

सर्वनांद सोनोवाल और शिवराज चौहान जो बर्तमान में केंद्रीय मंत्री हैं। इसी तरह, हरियाणा के पूर्व

सीएम मनोहर लाल खट्टर भी केंद्रीय मंत्री हैं। 2014 में सीएम पद

के लिए चुने गए केंद्रीय नेतृत्व एक ऐसा

समय शासन चलाना चाहता है। यह एक नई छोड़ छोड़ नेता संगठन

बदलने के लिए चुने गए केंद्रीय मंत्री की राज्य प्रधानमंत्री ने दो मंत्री की राज्यों और

बीजेपी के कार्यकर्ताओं में व्यापक

अपील का स्पष्ट प्रतिविवेदन।

पुराने CM को केंद्र में दिया मौका

सीएम बदलने के बाद इनमें से कई नेताओं को केंद्र का हिस्सा बना दिया गया। असम के पूर्व सीएम

सर्वनांद सोनोवाल और शिवराज चौहान जो बर्तमान में केंद्रीय मंत्री हैं। इसी तरह, हरियाणा के पूर्व

सीएम मनोहर लाल खट्टर भी केंद्रीय मंत्री हैं। 2014 में सीएम पद

के लिए चुने गए केंद्रीय नेता ज्यादा

प्रधावन नहीं छोड़ पाए और लोकसभा में हैं। इनमें हरियाणा में मनोहर खट्टर, उत्तराखण्ड में विवेंद्र

रावत, कर्नाटक में बसवराज, तिपुरा में बिल्लब देव शामिल हैं।

भाजपा ने कई बार किए प्रयोग, गलत भी साबित हुए फैसले

कर्नाटक ने गलत साबित हुए



कर्नाटक में 2023 में विधायक चुनाव हुए, और सत्तारूढ़ बीजेपी को बड़ी हार मिली थी। राज्य में कांगड़े ने सकार बनाई। कर्नाटक में विधायक चुनाव से ठीक ढंग से बदला था बीजेपी ने जुलाई 2021 में कर्नाटक के तकालोन सीएम एसर येद्युरप्पा को पद से हटाया और सीएम बना दी। राज्य के विधायक चुनाव बोर्ड को सोपी दी गई। तीरंश्च सिंह रावत सत्ता, जनता और प्रशासन पर छाया छोड़ने में सफल नहीं रहे और 4 मंत्री बार दीर्घी से उत्तराखण्ड को बड़ी हार मिली। उसके बाद 4 जुलाई 2021 को पुक्कर यिंद्या धारी को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया। मार्च 2022 में बीजेपी पुक्कर को सीएम पद से हटाया गया। जुलाई 2021 में विधायक चुनाव को बड़ी हार मिली थी। राज्य में कांगड़े ने सकार बनाई। कर्नाटक में विधायक चुनाव से ठीक ढंग से बदला था बीजेपी ने जुलाई 2021 में कर्नाटक के तकालोन सीएम एसर येद्युरप्पा को पद से हटाया और सीएम बना दी। राज्य के विधायक चुनाव बोर्ड को सोपी दी गई। तीरंश्च सिंह रावत सत्ता, जनता और प्रशासन पर छाया छोड़ने में सफल नहीं रहे और 4 मंत्री बार दीर्घी से उत्तराखण्ड को बड़ी हार मिली। उसके बाद 4 जुलाई 2021 को पुक्कर यिंद्या धारी को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया। मार्च 2022 में बीजेपी पुक्कर को सीएम पद से हटाया गया। जुलाई 2021 में विधायक चुनाव को बड़ी हार मिली थी। राज्य में कांगड़े ने सकार बनाई। कर्नाटक में विधायक चुनाव से ठीक ढंग से बदला था बीजेपी ने जुलाई 2021 में कर्नाटक के तकालोन सीएम एसर येद्युरप्पा को पद से हटाया और सीएम बना दी। राज्य के विधायक चुनाव बोर्ड को सोपी दी गई। तीरंश्च सिंह रावत सत्ता, जनता और प्रशासन पर छाया छोड़ने में सफल नहीं रहे और 4 मंत्री बार दीर्घी से उत्तराखण्ड को बड़ी हार मिली। उसके बाद 4 जुलाई 2021 को पुक्कर यिंद्या धारी को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया। मार्च 2022 में बीजेपी पुक्कर को सीएम पद से हटाया गया। जुलाई 2021 में विधायक चुनाव को बड़ी हार मिली थी। राज्य में कांगड़े ने सकार बनाई। कर्नाटक में विधायक चुनाव से ठीक ढंग से बदला था बीजेपी ने जुलाई 2021 में कर्नाटक के तकालोन सीएम एसर येद्युर